प्राक्कथन

भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के इस प्रतिवेदन में मार्च 2021 तक अद्यतित 2010-11 से 2018-19 तक की अवधि को लेते हुए भारत-नेपाल सीमा सड़क परियोजना पर निष्पादन लेखापरीक्षा के महत्वपूर्ण परिणाम शामिल हैं।

भारत सरकार ने नवम्बर 2010 में बिहार (564 कि.मी.), उत्तर प्रदेश (640 कि.मी.) तथा उत्तराखण्ड (173 कि.मी.) में भारत-नेपाल की सीमा के समानांतर 1377 कि.मी. की सड़क का निर्माण प्रारम्भ किया। परियोजना के समापन की समय-सीमा मार्च 2016 थी परंतु बाद में इसे दिसम्बर 2022 तक बढ़ा दिया गया था। सड़कों को अंतरराष्ट्रीय सीमा के समानांतर चलते हुए सीमा चौकियों को संयोजकता प्रदान करनी थी तथा यह सीमा क्षेत्रों में आबादी की आवश्यकताओं को पूरा करेंगी। *सशस्त्र सीमा बल*, भारत-नेपाल सीमा पर निर्दिष्ट सीमा सुरक्षा बल को इस परियोजना से संवेदनशील सीमा पर अधिक प्रभावी रूप से प्राबल्य रखने हेतु सैनिकों को तीव्र गतिशीलता प्राप्त करने से लाभ मिलना था।

निष्पादन लेखापरीक्षा ने परियोजना की योजना बनाने, निर्माण कार्यों के निष्पादन, वित्तीय प्रबंधन तथा निगरानी तंत्र से संबंधित मामलों की जांच यह देखने के लिए की थी कि क्या परियोजना का निष्पादन अपने अभिप्रेत उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए निर्धारित सीमा के भीतर प्रभावी रूप से किया गया था।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक का यह प्रतिवेदन जिसमें भारत-नेपाल सीमा सड़क परियोजना की लेखापरीक्षा के परिणाम शामिल हैं, को भारत के संविधान के अनुच्छेद 151 के तहत राष्ट्रपति को प्रस्तुतीकरण हेतु तैयार किया गया है।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक द्वारा जारी लेखापरीक्षा मानकों के अनुरूप लेखापरीक्षा की गई है।